Orlital Velocity of satellite

- अफिल उपग्रहों को प्रवर्ग से जुड़ उत्पाई की कहा में स्थापित करते ही इसके लिए satellike को रिक्टिय के दारा भेजा जाता है जिससे के प्रवर्ग के वारों कार राक्त किया के परिचात किर्णुकारिय बहुत उत्प का (velocity) रेन होड़ दिया जाता है, जिससे उपग्रह राक कृतीय कहा (cincular orbit) में स्थापित हो जाता है
 - निपार दूरी के कहा में उपग्रह की रूपापित करने के निपष्ट आवश्यक स्पर्श रेरवीप नाल को उपग्रह की कक्षीप नाल (Onlited velocity) कहेत है।

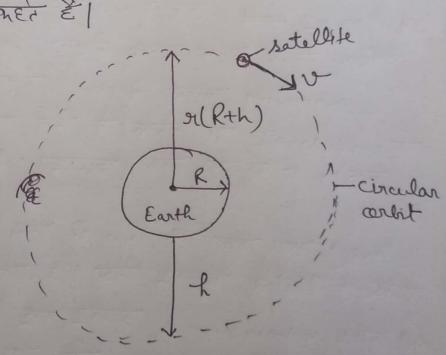


figure: - Satellite Moving in circular orbit

(relocity) रो परिश्राण कर रहा है माना उरवी के श्रामा

 $F_1 = \frac{mv^2}{r} = \frac{mv^2}{R+h}$

तथा द्वती और उपग्रह (letellite) के बीच गुरुत्वा कर्षण खना (gravitational fonce) हि निम्न होगा -

 $F_2 = \frac{G_1 M_m}{H^2} = \frac{G_1 M_m}{(R+h)^2}$

अatellite को circular orbit में रवन हें आवश्यक अविभवे न्द्रीय बला (F1), श्वर्व और उपग्रह के कीय अवत्वाकिंग बला (F2) दारा अदान विषय जाता है मतः

 $\frac{mv^2}{R+h} = \frac{GM_m}{(R+h)^2}$

 $v^2 = \frac{GM}{R+h}$

v = JGM = JGM (3)

 $\frac{1}{2} = \frac{GM}{R^2} + \frac{1}{2} = \frac{GM}{R^2}$ $\frac{1}{2} = \frac{GM}{R^2} + \frac{1}{2} = \frac{GM}{R^2}$ $\frac{1}{2} = \frac{1}{2} = \frac{GM}{R^2}$

जिल पुर्वी की निम्पा बहुत बड़ी है। अतः प्रवर्ग के निम्पा (अवलेष्ण पुर्वी की श्वाप्त प्रवर्ग की उपग्रह के जिलारि के को नगण्य माम सकते हैं। काः Rth को & R मान सकते हैं। स्तर्मीण 4का-

V=JgRZ V=JgR B

g= 9.8 m/s² R= 6400 Km= 6.4×106 m

V= J 9.8 × 6.4 × 106

v= 7.9×103 mls

V = 8 Km/D

Ryon (bragyan mishra) 26/03/2020